

आशाभंग पुं. (तत्.) आशा न रहने का भाव, आशा समाप्त होने का भाव, नाउम्मीदी।

आशामय वि. (तत्.) जो आशा जगाए, उम्मीद जगाने वाला।

आशामुखी वि. (तत्.) 1. अपनी आशा पूरी कराने के लिए अत्यन्त प्रयत्नशील 2. आशापूर्ति के लिए किसी सहायता की अपेक्षा करने वाला 3. आशान्वित।

आशार पुं. (तत्.) आश्रय, रक्षास्थान।

आशालुब्ध वि. (तत्.) आशा के मोह में फँसा हुआ, आशा से मोहित, उम्मीद के लिए दीवाना।

आशावसन वि. (तत्.) 1. जिस के लिए दिशाएँ ही वस्त्र हों, दिगम्बर, नग्न पुं. 1. दिगम्बर साधु 2. शिव।

आशावाद पुं. (तत्.) 1. प्रत्येक घटना और प्रत्येक वस्तु के संबंध में आशापूर्ण दृष्टि रखना 2. सदा अच्छी बातों और अच्छे परिणामों की आशा करने की प्रवृत्ति 3. सर्वशुभवाद optimism

आशावादिता स्त्री. (तत्.) आशावादी होने की स्थिति, भाव या प्रवृत्ति optimism

आशावादी वि. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जो काम या स्थिति के अच्छे होने की आशा रखता है, आशावान 2. स्त्री. (तत्.) संगीत का एक लोकप्रिय राग, आसावरी, भक्ति और शृंगार के लिए उपयुक्त राग।

आशावान वि. (तत्.) दे. आशावादी।

आशासन पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु की इच्छा करना या उसके लिए प्रार्थना करना 2. आकांक्षा करना।

आशासनीय वि. (तत्.) आकांक्षणीय, अभिलषणीय पुं. 1. आशीर्वचन, आशीर्वाद 2. आकांक्षा, इच्छा।

आशाहीन वि. (तत्.) जो आशा रहित हो, निराशा, नाउम्मीद।

आशिंजन पुं. (देश.) 1. गहनों अथवा आभूषणों की झंकार 2. रुन-झुन की ध्वनि करने वाला आभूषण।

आशिंजित वि. (देश.) 1. झंकार करता हुआ 2. रुन-झुन करता हुआ।

आशिक वि. (अर.) इश्क या प्रेम करने वाला, प्रेमी, अनुरक्त, आसक्त पुं. प्रेम करने वाला व्यक्ति।

आशिकमिज़ाज वि. (अर.) [आशिक+मिज़ाज] मधुर प्रेम के व्यसन में लिप्त, हर तरह के व्यक्ति से इश्क करने वाला।

आशिकाना वि. (अर.) आशिकों या प्रेमियों के लिए अनुकूल अनुरागमय, प्रेमसूचक

आशिकी स्त्री. (अर.) प्रेम, अनुराग या इश्क में होने की स्थिति।

आशित वि. (तत्.) 1. खाया हुआ 2. भोजन से तृप्त 3. अधिक भोजन करने वाला, पेटू पुं. भोजन।

आशिनी वि. (तत्.) आहार करने वाली स्त्री, खाद्य पदार्थ खाने वाली।

आशिमा स्त्री. (तत्.) तीव्रता, तेजी।

आशियाँ पुं. (फा.) 1. घोंसला, पक्षियों के रहने का स्थान 2. बसेरा 3. झोंपड़ा, घर।

आशियाना पुं. (अर.) दे. आशियाँ।

आशिष स्त्री. (तत्.) 1. आसीस, दुआ, ईश्वर से किसी के कल्याण-मंगल की प्रार्थना 2. आशीर्वाद 3. अनुग्रह 4. सर्प का विषदंत 5. एक जड़ी।

आशिषाक्षेप पुं. (तत्.) काव्य. वह काव्यालंकार जिसमें दूसरों का हित दिखलाते हुए हितकर बातों को करने की शिक्षा दी जाए।

आशी स्त्री. (तत्.) 1. साँप का विषैला दाँत 2. सर्पविष 3. बुद्धि नाम की जड़ी जो दवा के काम आती है 4. आशीर्वाद, असीस वि. 1. जिसके दाँत में विष हो, 2. भक्षक, भोजन करने वाला।

आशीर्वचन पुं. (तत्.) आशीर्वाद भरा कथन, आशीष, असीस, दुआ प्रयो. मेरी पुस्तक के